Tc.No. : GUJHIN00722

# दैनिक क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 1 , मंगलवार, 23 जनवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

## सार समाचार

### सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन आज

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस सोमवार से प्रदर्शन शुरू किया, इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री कार्यालय से होगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता केजरीवाल के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर उनसे इस्तीफे की मांग करेंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि पार्टी इन सीटों पर उपचुनाव के लिए तैयार है, इसी क्रम में 26 जनवरी के बाद कार्यकर्ताओं का सम्मेलन रखा जा रहा है।

### राष्ट्रपति का फैसला संविधान व लोकतंत्र की जीत : गोयल

**नई दिल्ली।** संसदीय कार्य राज्य मंत्री विजय गोयल ने ''लाभ के पद' मुद्दे पर ''आप' 20 विधायकों के मामले में राष्ट्रपति के फैसले को भारत की संविधान और लोकतंत्र की जीत का प्रतीक बताया है। श्री गोयल ने आप के 20 विधायकों की सदस्यता रद्द किये जाने को केजरीवाल सरकार की हार करार दिया। गोयल ने कहा कि 20 विधायकों को संसदीय सचिव बनाना संविधान सम्मत नहीं था लेकिन फिर भी दिल्ली सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया। फरवरी 2015 में बनी सरकार में विधायकों को बांधकर रखने के लिये अप्रैल 2015 में ही उनकी नियुक्ति संसदीय सचिव के पद पर करनी पड़ी। पहले सिर्फ मुख्यमंत्री के संसदीय सचिव होते थे लेकिन इस नियम को ताक पर रख दिया गया। नियुक्तियों के लिये दिल्ली के उपराज्यपाल की पूर्व अनुमति भी नहीं ली गई जबकि हाईकोर्ट साफ कर चुकी है कि दिल्ली में उप राज्यपाल की शक्तियां सर्वोच्च हैं। केजरीवाल सरकार ने विधानसभा और कैबिनेट के माध्यम से ये नियुक्तियां भी पिछली तारीख से कीं।

### पद्मावत के विरोध में डीएनडी टोल प्लॉजा पर तोड़फोड़

**नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर टायर रखकर लगाई आग**

**नोएडा।** फिल्म पद्मावत के विरोध की चिंगारी रविवार को नोएडा पहुंच गई। उग्र प्रदर्शनकारियों ने पद्मावत के प्रदर्शन के विरोध में जमकर बवाल काटा। डीएनडी टोल प्लॉज पर पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की और उत्पात मचाया। यहां लगे बैरियर को भी आग के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर टायर रखकर आग लगाई गई जिससे एक्सप्रेस वे पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जलते टायरों को हटाया। इसके बाद यातायात सुचारु हो सका। फिल्म पद्मावत के खिलाफ रविवार को उग्र प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे जाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनाकारियों ने एक्सप्रेस वे की झाड़ियों को काटकर रोड पर रख दिया और उसमे आग लगा दी। इसके अलावा टॉयरों को भी हाईवे पर रखकर जलाया गया। प्रदर्शनकारी गाड़ियों की छतों पर बैठकर एक्सप्रेस वे से डीएनडी टोल प्लॉजा तक बवाल काटते घूमते रहे और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने घंटों तक एक्सप्रेस वे को जाम रखा जिससे कई किमी लम्बा जाम लगा। डीएनडी टोल प्लॉजा पहुंचे प्रदर्शकारियों ने कानून की धज्जियां उड़ाई। यहां जमकर उत्पात मचाया और सभी टोल बूथों को तोड़ने के साथ ही उसमें मौजूद कम्प्यूटर मॉनिटरों को तोड़ दिया गया। बैरियर में भी आग लगाई गई। हंगामे को देखते हुए डीएनडी पर वाहनों का संचालन कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि किसी भी हाल में फिल्म को रिलीज नहीं होने देंगे। पुलिस ने भांजी लाठियां : पद्मावत के विरोध में डीएनडी टोल प्लाजा पहुंचे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने खदेड़ दिया। पहले पुलिस ने उन्हें यहां से हटने को कहा। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी नहीं माने तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

### जेएनयू में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जेएनयू इकाई की ओर से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत रविवार को कैम्पस के खेल परिसर में हुई। इस मौके पर जेएनयू के रेक्टर 2 प्रो. सतीश चंद गरकोटी, रेक्टर 3 प्रो. राणा प्रताप सिंह, जगत पहलवान, टूर्नामेंट के प्रायोजक नेस्टिवा हॉस्पिटल से सौरभ और अमित, जेएनयू एबीवीपी के अध्यक्ष विजय कुमार व मंत्री दुग्रेश कुमार उपस्थित रहे। एबीवीपी जेएनयू के अध्यक्ष विजय कुमार ने कहा कि जेएनयू के इतिहास में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जो कि युवाओं में जोश उत्पन्न करेगा और उनमें एक नई ऊर्जा का संचार होगा।

बॉर्डर पर बनाए भारतीय दर्शन स्थल से ये फोटो ली गई है, जहां से गुरुद्वारा साहिब 3 किलोमीटर दूर है

## डेरा बाबा नानक बॉर्डर से करतारपुर साहिब के दर्शन

• डेरा बाबा नानक बॉर्डर से रजत ग्रोवर

सचखंड श्री दरबार साहिब करतारपुर साहिब की बॉर्डर से दूरी तीन किमी है। यह वही स्थल है जहां श्री गुरु नानकदेव जी ने अपने जीवन के आखिरी 18 साल बिताए।

**1521 में यहां पहुंचे थे गुरु नानक देव जी...** 52 वर्ष की उम्र में गुरु नानक देव जी अपनी पांचों उदासियां (यात्राएं) पूरी करने के बाद यहां 1521 में पहुंचे। उन्होंने संगतों को नाम जपो, किरत करो और वंड छको का उपदेश दिया। 1539 में जब वह ज्योति ज्योत समाए।

**संगत करती रही है कॉरिडोर की मांग...** वरिष्ठ अकाली लीडर कुलदीप सिंह वडाला के नेतृत्व में करतारपुर साहिब रावी दर्शन अभिलाषी संस्था लगातार 3 किमी. लंबे कॉरिडोर की मांग करती आ रही है लेकिन पिछले साल 7 सदस्यीय संसदीय कमेटी ने इंकार कर दिया था।

## अखिलेश ने पत्नी की सीट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के दिए संकेत

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को अगले लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी की सीट कन्नौज से लड़ने के संकेत दिए हैं। अखिलेश ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अगले लोकसभा चुनाव लड़ने के संबंध में एक सवाल पर कहा, ''नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव) तो मैनपुरी से लड़ेंगे। हमारी पार्टी तय करेगी कि किसको कहां से लड़ना है। कन्नौज लोहिया जी का है, मेरी इच्छा होगी कि मैं भी वहीं से लड़ूं।

अखिलेश की पत्नी डिम्पल यादव इस वक्त कन्नौज से सांसद हैं। पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी पिछले साल सितम्बर में छत्तीसगढ़ के रायपुर में दिये गए बयान के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मालूम हो कि, अखिलेश ने पिछले साल 24 सितम्बर को रायपुर में संवाददाताओं से बातचीत में राजनीतिक दलों में परिवारवाद के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि, ''अगर हमारा परिवारवाद है तो, हम तय करते हैं कि अगले चुनाव में हमारी पत्नी चुनाव नहीं लड़ेंगी। भाजपा का भी परिवारवाद होगा। उसके परिवारवाद की भी बात करनी चाहिए। डिम्पल ने वर्ष 2009 में फिरोजाबाद लोकसभा उपचुनाव में पहली बार अपनी किस्मत आजमाई थी, लेकिन उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। वर्ष 2012 में अखिलेश ने प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद कन्नौज से सांसद पद से इस्तीफा दिया था। उसके बाद हुए उपचुनाव में डिम्पल पहली बार निर्विरोध निर्वाचित हुई थीं। साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में डिम्पल एक बार फिर इस सीट से जीती थीं। डिम्पल ने पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए जमकर प्रचार किया था।

## कानपुरः एक ही दिन में दो मर्डर, दिन में वकील तो रात में एमआर की हत्या

**कानपुर।** कानपुर शहर रविवार को ताबड़तोड़ दो हत्याओं से दहल उठा। दोपहर में परमट चौराहे पर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं देर रात बजरिया में अज्ञात लोगों ने एक एमआर को भून डाला। बीते 72 घंटे में हत्या की पांच वारदातों से पूरे शहर में दहशत का माहौल है। परमट निवासी वकील सुनील शर्मा (40) रविवार पूर्वाह्न 11:30 बजे पिता मिश्रीलाल के साथ आनंदेश्वर मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। रास्ते में वकील मोहित श्रीवास्तव से उनकी पुराने विवाद पर कहासुनी होने लगी। बात बढ़ने पर दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई।

आरोप है कि इसी बीच मोहित की पत्नी ऋचा घर से दोनाली बंदूक ले आई और सुनील पर गोली चला दी। एक गोली सुनील की नाक के नीचे जा लगी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद मोहल्ले के लोगों ने मोहित व ऋचा को पीटना शुरू कर दिया। परमट चौकी के सिपाही पहुंचे और भीड़ के चंगुल से दोनों को छुड़ाया। लहूलुहान मोहित को हैलट जबकि ऋचा को पुलिस थाने ले गई। एसएसपी ने लोगों को आश्वासन दिया कि दोषी पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने अपनी मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया उधर, कागजी मोहाल मस्जिद के पास देर रात छोटा मिया हाता निवासी मेडिकल रिप्रेजेनटेटिव जहीर अब्बास (30) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह स्कूटी से बांसमंडी स्थित गरीब नमाज मजार के पास एक निकाह में शामिल होने जा रहा था।

इलाकाई लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम के साथ जहीर के घर पर जानकारी दी। देर रात एसपी पश्चिमी ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। जहीर के खिलाफ ग्वालटोली और कर्नलगंज में अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को हुई जानकारी के मुताबिक वह एक बड़े अपराधिक गिरोह का सदस्य रहा है। गिरोह का सरगना वर्तमान में लखनऊ जेल में बंद है।

जहीर के परिवार में पिता माजिद अब्बास के अलावा एक भाई है जो पटना में रहता है। जहीर की पत्नी सलमा दो दिन पहले आजमगढ़ अपने मायके गई हुई है। उसके पिता को कैंसर है और वह लखनऊ में बेटी नीशा के यहां रहकर इलाज करा रहा है। जहीर का भाई पटना में रहता है। जहीर के एक अन्य छोटे भाई शबी की आठ साल पहले गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

एमफिल और पीएचडी दाखिले के लिये 4 मार्च को होगी प्रवेश परीक्षा

## इग्नू : शोध पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 23 से

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई सत्र के लिए शोध पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिये सूचना जारी कर दी है। संस्थागत तरीके से पीएचडी और एमफिल पाठ्यक्रमों में नामांकन के इच्छुक छात्र 23 जनवरी से 16 फरवरी के बीच आवेदन कर सकेंगे। इग्नू की शोध इकाई के निदेशक प्रो के बारीक ने बताया कि देशभर के चुनिंदा परीक्षा केंद्रों पर 4 मार्च को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। विवि की ओर से जारी की गई सूचना के तहत पीएचडी पाठ्यक्रम में साइकोलॉजी, एंरोपोलॉजी, समाजशास्त्र, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, लिंग और विकास अध्ययन, महिला अध्ययन, भूगोल, अनुवाद अध्ययन, फूड एंड न्यूट्रिशनल साइंस, सांख्यिकी, पर्यावरण अध्ययन, जियोलॉजी, प्रबंधन, जीवन विज्ञान, वाणिज्य, हिंदी, दूरस्थ शिक्षा, नर्सिंग, समाज कार्य, भौतिकी, रसायन और बॉयोकेमिस्ट्री विषय के लिए आवेदन किये जा सकते हैं। बॉयोकेमिस्ट्री, लाइफ सांइस और फिजिक्स के विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। वहीं समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, अनुवाद अध्ययन, सामाजिक कार्य, वाणिज्य, रसायन और दूरस्थ शिक्षा के एमफिल पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इकोनॉमिक्स विषय में एमफिल दाखिले के लिये प्रवेश परीक्षा में शामिल होना जरूरी नहीं है।

सरस्वती महोत्सवः पिहोवा में मां सरस्वती की सायंकालीन महाआरती

सरस्वती महोत्सवः पिहोवा में मां सरस्वती की सायंकालीन महाआरती

**पिहोवा (कुरुक्षेत्र)।** अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव में सरस्वती तीर्थ पर रविवार को मां सरस्वती की सायंकालीन आरती में हिस्सा लेते अतिथियों के साथ विदेशी पर्यटक। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती उत्सव में ब्रह्मसरोवर पर जहां सायंकालीन महाआरती का आयोजन किया जाता है। उसी तर्ज पर सरस्वती तीर्थ पर सायंकालीन आरती हुई।

नजफगढ इलाके में सभा में बोले, मेरी सरकार को परेशान किया जा रहा

## केजरीवाल ने केंद्र पर साधा निशाना विधायकों की अयोग्यता पर बिफरे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आप के 20 विधायकों के लाभ के पद पर होने की वजह से अयोग्य करार दिये जाने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उनकी सरकार को परेशान किया जा रहा है।



केजरीवाल ने यहां नजफगढ इलाके में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई सत्य के मार्ग पर होता है तो उसे बहुत समस्याओं का सामना करना होता है। भाजपा का नाम लिये बिना उन्होंने कहा, ''हम सरकार का एक एक पैसा बचा रहे हैं लेकिन हमारे रास्ते में कई समस्याएं आ रही हैं। वे हर तरीके से हमें परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने हम पर और हमारे विधायकों पर झूठे मामले दर्ज कराये हैं।'उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरे दफ्तर में सीबीआई का छापा भी पडवाया, लेकिन 24 घंटे की तलाशी के बाद भी उन्हें केवल मेरे चार मफलर मिले। हमारे विधायकों को गिरफ्तार किया गया।''केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यपाल ने पिछले दो साल में दिल्ली सरकार के फैसलों से संबंधित 400 फाइलें मंगाई थीं लेकिन उन्हें हमारे खिलाफ कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा, ''जब उन्हें हमारे खिलाफ कुछ नहीं मिला तो उन्होंने हमारे 20 विधायकों को अयोग्य करार दे दिया।

'केजरीवाल ने कहा कि ईर ने शायद यह बात ध्यान में रखते हुए आप को 67 सीटें दी होंगी कि तीन साल बाद 20 आप विधायक अयोग्य करार दिये जाएंगे।

व्यापार बचाने को सरकार लाए एमनेस्टी स्कीम : कैट

## सीलिंग के विरोध में आज बाजार रहेंगे बंद : कैट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लगातार हो रही सीलिंग से परेशान दिल्ली के व्यापारियों ने 23 जनवरी को अपना करोबार बंद रखने की घोषणा की है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बंद की घोषणा करते हुए कहा की सीलिंग एकतरफा, अन्यायपूर्ण और अवैध है और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आड़ में दिल्ली नगर निगम कानून 1957 के मूलभूत प्रावधानों को ताक पर रख सीलिंग कर रही है जिसे किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। व्यापारियों ने मांग की है इस बात की जांच की जाए की क्यों व्यापारियों को उनके अधिकार से वंचित रखते हुए सीलिंग की जा रही है। उधर चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) और दिल्ली होटल महासंघ ने 23 जनवरी को बंद की घोषणा की है।

दिल्ली व्यापार बंद करने का निर्णय शनिवार को हुई दिल्ली के व्यापारी नेताओं की एक बैठक में लिया गया, जिसमें दिल्ली के सभी क्षेत्रों के करीब चार सौ

**व्यापार बचाने को सरकार लाए एमनेस्टी स्कीम : कैट**

प्रमुख व्यापारिक संगठनों के व्यापारी नेता मौजूद थे। कैट का कहना है कि मंगलवार को दिल्ली के सभी बाजारों के दुकानों के शटर बंद रहेंगे और कोई कारोबार नहीं होगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा की दिल्ली में सीलिंग की बदहाली के चलते व्यापारियों को भिखारी जैसा बना दिया है। कोई फोरम नहीं है जहां पर व्यापारी अपनी जायज बात भी कह सकें। कोई सुनने वाला ही नहीं है।

अदालती केस में व्यापारियों को पक्षकार ही नहीं बनाया गया। ऐसे देश में जो प्रजातांत्रिक और मानवीय अधिकारों को पूरी तरह सुरक्षा देता है वहां जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए व्यापारियों को अपना पक्ष रखने का कोई मौका न देते हुए उजाड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीटिंग में सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से मांग की गयी है की दिल्ली के व्यापार को बचाने के लिए एक एमनेस्टी स्कीम लायी जाए जिसके अंतर्गत 31 दिसम्बर 2017 तक जहां है जैसा है के आधार पर छूट दी जाए और भविष्य में किसी प्रकार का कोई उल्लंघन न हो इसके लिए कड़े कानून बनाया जाए जिनका कड़ाई से पालन हो और न केवल दोषी लोगों बल्कि सम्बंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए। श्री खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली के व्यापार को बनने में अनेक दशकों का समय लगा है।

**गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो। ब्रूस ली**

## न्यायालय का फैसला

जाति न बदले जाने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला युगांतकारी साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय विद्यालय से बर्खास्त एक शिक्षिका की अपील पर फैसला देते हुए कहा है कि कोई सामान्य जति की महिला यदि दलित से शादी कर ले तो वह दलित नहीं होगी क्योंकि जाति जन्म से निर्धारित होता है। इसके आधार पर महिला की केंद्रीय विद्यालय में 21 वर्षो की सेवा समाप्त हो गई। दरअसल, मामला एक अग्रवाल लड़की का था, जिसने जाटव लड़के से शादी की और इसके आधार पर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया। उसकी शैक्षणिक योग्यता और उसके जाति प्रमाण पत्र के आधार पर उसे पंजाब के पठानकोट में केंद्रीय विद्यालय में नौकरी मिल गई। नौकरी के 21 साल के बाद सुनीता के खिलाफ यह शिकायत दर्ज की गई कि वह अग्रवाल जाति की है। बुलंदशहर के सिटी मजिस्ट्रेट ने जांच के बाद लिखा कि जाति प्रमाण पत्र गलत है। उसका जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया गया। केंद्रीय विद्यालय ने उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया। उसने इसके खिलाफ पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय और वहां से सफलता न मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। जाहिर है, ऐसा प्रमाणपत्र पाने वाली वह अकेली महिला नहीं हो सकती है। आम धारणा यही रही है कि महिला जिस जाति के पुरुष से विवाह करती है उसी जाति की हो जाती है। न्यायालय ने इसे नकार दिया है तो शादी के बाद महिलाओं की बदली गई जातियां असंवैधानिक हो गई हैं। वास्तव में इससे एक दौर का अंत हो रहा है। अब दूसरी जातियों में शादी करने वाली लड़कियां पहले से यह जानेंगी कि उनकी जाति वही रहेगी जिसमें उन्होंने पैदा लिया है। किंतु पहले से जिन्हें पति की जाति का प्रमाण पत्र मिल गया है और उसके आधार पर वो कहीं नौकरी कर रहीं हैं या अनुसूचित जाति के दूसरे लाभ उनने उठाए हैं तो उन्हें दोषी मान लेना भी उचित नहीं होगा। इसमें उनका कोई दोष नहीं था, क्योंकि समाज की पंरपरानुसार उन्हें पति की जाति का प्रमाण पत्र दे दिया गया। वास्तव में इस फैसले के सामने आने के बाद न जाने कहां-कहां लोग किसके बारे में शिकायत करेंगे और कितनों की लगी हुई नौकरियां जाएंगी। अच्छा होगा कि न्यायालय में इससे संबंधित पुनर्विचार याचिका दायर हो। अभी तक जो महिलाएं नौकरी कर रहीं हैं, उनके साथ रियायत बरतते हुए उन्हें बर्खास्तगी की जगह सेवानिवृत्ति दी जा सकती है।

## अवैध कारोबार

दिल्ली के औद्योगिक इलाके बवाना में अवैध पटाखा गोदाम में आग से 17 लोगों की मौत वाकई चिंतित और सोचने पर मजबूर करती है। आमतौर पर फैक्टरियों में आग शार्ट सर्किट से होते हैं। हालांकि यहां आग लगने की वजहों का पता नहीं चल सका है। लेकिन आग ने पल भर में जिस तरह जान और माल को अपनी जद में ले लिया, वह हादसे की भयावहता बताने को काफी है। वैसे तो इस फैक्टरी में प्लास्टिक दानों का निर्माण होता था, मगर गुपचुप तरीके से इसे पटाखा फैक्टरी और गोदाम में बदल दिया गया था। दिल्ली में बवाना के अलावा नरेला, झिलमिल, पीरागढ़ी, रोहतक रोड, मायापुरी समेत कुल 22 औद्योगिक इलाके हैं। और कमोबेश हर जगह आग से बचाव के उपाय बेहद लचर और कामचलाऊ हालात में हैं। और जब राजधानी के इन इलाकों की यह दशा है तो देश के बाकी इलाकों की कल्पना ही बेमानी है। बवाना स्थित इस फैक्टरी में बाहर निकलने और प्रवेश करने का केवल एक ही रास्ता छोड़ा गया था। यहां तक कि बाहर निकलने की जगहों पर अनाधिकृत निर्माण कार्य और सामान रखा गया था। जहां तक बात अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी होने की बात है, इस फैक्टरी को वैसा कोई प्रमाण पत्र मिला ही नहीं था। ऐसे में नगर निगम और संबंधित प्राधिकरण की भूमिका को आसानी से समझा जा सकता है। क्या प्रशासन, पुलिस और अन्य विभाग दिखावटी हो गए हैं? आखिर क्यों पूर्व के हादसों से कोई सबक नहीं लिया जाता है? क्यों आग या किसी अन्य वजहों के चलते होने वाले हादसों से बचाव के उपाय समय-समय पर फैक्टरी में काम करने वाले मजदूरों और कर्मचारियों को नहीं बताए जाते? जिस तरह की वारदात बवाना में हुई, करीब ऐसे ही हादसे मुंबई के कमला मिल और नवम्बर में रायबरेली के एनटीपीसी ईकाई में हुई थी। हादसे न हों, इससे ज्यादा अहम यह कि बचाव कितनी द्रुत गति से होता है? और यह तभी हो सकता है जब फैक्टरी मालिक ने ईमानदारीपूर्वक आग से लड़ने की सारी सहूलियत जुटा रखीं हों। बवाना में जिस तरह की लापरवाही सामने आई है, उससे इसे सुनियोजित हत्या कहना ज्यादा समीचीन होगा। अब तो सरकार को चेत जाना चाहिए।

# सदस्यता लाभ के दोहरे पद

**सदस्यता लाभ के दोहरे पद के कारण चली गई हो। हालांकि चुनाव आयोग ऐसा ही फैसला करेगा इसे लेकर पूरे प्रकरण की जानकारी रखने वाले किसी भी तटस्थ व्यक्ति को शायद ही कोई संदेह रहा हो। आम आदमी पार्टी आज जो भी तर्क दे, उसके नेताओं को अगर इसका आभास नहीं था तो फिर मानना चाहिए कि वो अपने द्वारा निर्मित किसी ख्वाब की दुनिया में रह रहे थे। जिस ढंग से दिल्ली उच्च न्यायालय ने 8 सितम्बर 2016 को 21 विधायकों के संसदीय सचिव की नियुक्ति को रद्द कर दिया था और जो टिप्पणियां की थीं उन्हीं से साफ हो रहा था कि इन विधायकों की सदस्यता कभी भी जा सकती है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि नियमों को ताक पर रख कर ये नियुक्तियां की गई थीं।**

सतीश पेडणोकर

आजाद भारत के इतिहास का पहला अवसर है जब किसी विधान सभा के एक साथ 20 विधायकों की सदस्यता लाभ के दोहरे पद के कारण चली गई हो। हालांकि चुनाव आयोग ऐसा ही फैसला करेगा इसे लेकर पूरे प्रकरण की जानकारी रखने वाले किसी भी तटस्थ व्यक्ति को शायद ही कोई संदेह रहा हो। आम आदमी पार्टी आज जो भी तर्क दे, उसके नेताओं को अगर इसका आभास नहीं था तो फिर मानना चाहिए कि वो अपने द्वारा निर्मित किसी ख्वाब की दुनिया में रह रहे थे। जिस ढंग से दिल्ली उच्च न्यायालय ने 8 सितम्बर 2016 को 21 विधायकों के संसदीय सचिव की नियुक्ति को रद्द कर दिया था और जो टिप्पणियां की थीं उन्हीं से साफ हो रहा था कि इन विधायकों की सदस्यता कभी भी जा सकती है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि नियमों को ताक पर रख कर ये नियुक्तियां की गई थीं। किसी मुख्यमंत्री को संसदीय सचिव नियुक्त करने का आधिकार है और होना भी चाहिए लेकिन जो भी होगा वह संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप ही होगा। केजरीवाल ने यहां प्रावधानों की अनदेखी करके नियुक्ति की थी और आज उसी का परिणाम उनके विधायकों एवं स्वयं उन्हें ऐसा परिणाम भुगतना पड़ा है। यह तो संयोग कहिए कि उनको 70 सदस्यों की विधान सभा में 66 सीटें हासिल थी, जिसमें से 20 के चले जाने के बावजूद बहुमत कायम रहता है, अन्यथा सरकार भी जा सकती थी। संविधान का अनुच्छेद 102 (1) (ए) स्पष्ट करता है कि सांसद या विधायक ऐसा कोई दूसरा पद धारण नहीं कर सकता, जिसमें अलग से वेतन, भत्ता या अन्य कोई लाभ मिलते हों। लाभ के पद की व्याख्या पर काफी बहस हो चुकी है। इसलिए इस मामले में बहुत ज्यादा किंतु-परंतु की गुंजाइश नहीं हैं। इसके अलावा संविधान के अनुच्छेद 191 (1)(ए) और जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 9 (ए) के अनुसार भी लाभ के पद में सांसदों-विधायकों को अन्य पद लेने का निषेध है। इन सब प्रावधानों का मूल स्वर एक ही है, आप यदि सांसद या विधायक हैं तो किसी दूसरे लाभ के पद पर नहीं रह सकते या यदि आप किसी लाभ के पद पर हैं तो सांसद या विधायक नहीं हो सकते।

आम आदमी पार्टी तर्क दे रही है कि जिन विधायकों को संसदीय सचिव बनाया गया उनको न कोई बंगला मिला, न गाड़ी, न अन्य सुविधाएं। यानी जब उन्होंने कोई लाभ लिया ही नहीं तो फिर उनको दोहरे लाभ के पद के तहत सजा कैसे दी जा सकती है? पहली नजर में यह तर्क सही भी लगता है। तो फिर चुनाव आयोग ने यह फैसला क्यों किया? आयोग को पता है कि अगर बिना किसी ठोस आधार के फैसला करेगा तो वह राष्ट्रपति के यहां रुक जाएगा या फिर न्यायालय में निरस्त हो जाएगा। चुनाव आयोग ने इतना लंबा समय लिया है तो जाहिर है कि उसने इस पर पूरा विमर्श किया और फिर आस्त हो जाने के बाद ही सदस्यता रद्द करने की सिफारिश कर दी। ऐसे कई राज्य हैं, जहां संसदीय सचिव का पद लाभ के पद के दायरे के अंदर है तो कुछ राज्य ऐसे हैं जहां यह बाहर है। दिल्ली में इन्हें लाभ के पद के दायरे में रखा गया है। दिल्ली में 1997 में सिर्फ दो पद (महिला आयोग और खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष) ही लाभ के पद से बाहर थे। 2006 में नौ पद इस श्रेणी में रखे गए। पहली बार मुख्यमंत्री के संसदीय सचिव पद को भी शामिल किया गया था। इसके अनुसार भी दिल्ली में मुख्यमंत्री केवल एक संसदीय सचिव रख सकते हैं। साफ है कि केजरीवाल ने 21 विधायकों की नियुक्ति करते समय इस बात का ध्यान नहीं रखा। मई 2012 में पश्चिम बंगाल सरकार ने भी संसदीय सचिव की नियुक्ति को लेकर विधेयक पास किया था। इसके बाद ममता बनर्जी ने 20 से ज्यादा विधायकों को संसदीय सचिव नियुक्त किया। बावजूद इसके कोलकता उच्च न्यायालय ने सरकार के विधेयक को असंवैधानिक ठहरा दिया। तो केजरीवाल ने इस उदाहरण का भी ध्यान नहीं रखा। इसे ठीक से समझने के लिए जरा पूरे प्रसंग को संक्षेप में रखना जरूरी है। 13 मार्च 2015 को केजरीवाल सरकार ने अपने 21 विधायकों को संसदीय सचिव नियुक्त किया था। इसके खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा की ओर से वकील रविन्द्र कुमार ने याचिका दायर की थी। इन्होंने इस नियुक्ति की संवैधानिकता पर सवाल उठाया था। इसके समानांतर दिल्ली के एक वकील प्रशांत पटेल ने 19 जून 2015 को राष्ट्रपति के पास याचिका दायर की थी। इसमें संसदीय सचिव को लाभ का पद का मामला बताया था और 21 विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। जब विवाद बढ़ा तो दिल्ली सरकार 23 जून, 2015 को विधान सभा में लाभ का पद संशोधन विधेयक लाई। इस विधेयक का मकसद संसदीय सचिव के पद को लाभ के पद से छूट दिलाना था। विधेयक पास करा कर 24 जून 2015 को इसे उप राज्यपाल नजीब जंग के पास भेज दिया गया। उप राज्यपाल ने इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राष्ट्रपति ने चुनाव आयोग से सलाह मांगी। चुनाव आयोग ने याचिका दायर करने वाले से जवाब मांगा। प्रशांत पटेल ने 100 पृष्ठ का जवाब दिया और बताया कि मेरे याचिका लगाए जाने के बाद असंवैधानिक तरीके से विधेयक लाया गया। चुनाव आयोग इस जवाब से संतुष्ट हुआ और उसके अनुसार राष्ट्रपति को सलाह दिया। राष्ट्रपति ने विधेयक वापस कर दिया। वैसे भी दिल्ली विधान सभा में कोई विधेयक पेश करने के पूर्व उप राज्यपाल से अनुमति का प्रावधान है। इस मामले में उप राज्यपाल से अनुमति भी नहीं ली गई थी। आप स्वयं विचार करिए, केजरीवाल सरकार अगर संसदीय सचिव के पद का लाभ का पद मानती ही नहीं थी तो फिर यह विधेयक लाने की आवश्यकता क्यों महसूस की गई? तो इस मामले की यही स्वाभाविक परिणति है। आप विधायकों का पद जाना ही था। इसे विडम्बना ही कहेंगे एक ऐसी पार्टी, जो राजनीति में नये मापदंड स्थापित करने के लिए आई थी, उसका हश्र ऐसा हो गया कि विधायकों को अपने नेता के पक्ष में बनाए रखने के लिए थोक भाव में संसदीय सचिव बनाना पड़ा। केजरीवाल को यह उम्मीद नहीं थी कि उनके विधायक स्थायी रूप से उनके नेतृत्व के प्रति निष्ठावान रहेंगे, इसलिए उन्होंने यह कदम उठाया अन्यथा इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

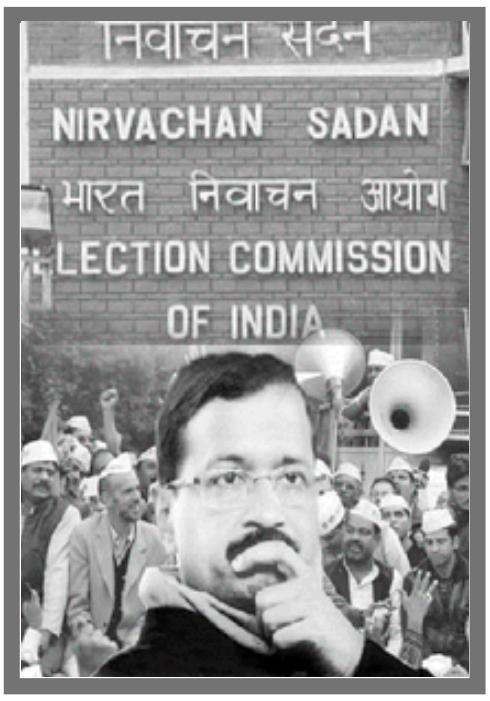


## चलते चलते

### छुपना-छुपाना

**सभी चीजें उसके विरोध में हैं और वह कितना ही अच्छा क्यों न कर ले, लेकिन उसके हाथ असफलता ही लगेगी। ऐसे समय में व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचारों का मेला उमड़ पड़ता है।**

व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब उसे लगता है कि सभी चीजें उसके विरोध में हैं और वह कितना ही अच्छा क्यों न कर ले, लेकिन उसके हाथ असफलता ही लगेगी। ऐसे समय में व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचारों का मेला उमड़ पड़ता है। ऐसी मनोदशा में व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचने लगता है। आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि ऐसे समय में व्यक्ति को कहीं से छोटी-सी प्रेरणा मिल जाए, तो यह संभव है कि वही व्यक्ति भविष्य में ऐसा इतिहास रच दे कि लोग दांतों तले उंगुली दबाने लगे। जब हम किसी को प्रेरित करते हैं, तो उसका आत्मसम्मान बढ़ जाता है, जिसकी वजह से व्यक्ति असंभव लगने वाले कार्य को भी संभव कर देता है। असल में हर व्यक्ति की अपनी सीमाएं और क्षमताएं होती हैं, लेकिन कई बार जीवन में विपरीत स्थिति आने पर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर ही शंका होने लगता है। ऐसी स्थिति में उसे यह प्रेरणा मिले कि वह संबंधित कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है, तो यकीन मानिए कि कार्य की पूर्ण सिद्धि के लिए वह अपनी पूरी ताकत लगा देगा। रामायण में हनुमान जी को उनका बल याद दिलाने पर वे पूरा पहाड़ उठा ले आए थे। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि अगर तुम ठान लो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। तुम महात्मा बुद्ध बनना चाहोगे तो वही बन जाओगे। कुछ लोग प्रेरणा को डर से जोड़ देते हैं, लेकिन दोनों में काफी असमानता है। किसी के डांटने या डर से किया गया कार्य पूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन उसे सफल नहीं माना जा सकता। जबकि किसी से प्रेरणा स्वरूप मिले दो शब्द ही मनुष्य का जीवन बदल सकते हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को डर की नहीं, बल्कि प्रेरणा की जरूरत पड़ती है। बाहर से ली गई प्रेरणा कुछ समय के लिए ही होती है, लेकिन जब व्यक्ति अपने अंतर्मन से प्रेरित होकर कार्य करता है तो वह न केवल लंबे समय तक टिकाऊ होती है, बल्कि उसके परिणाम हमेशा अच्छे होते हैं। आंतरिक प्रेरणा प्राप्त करने का सबसे सरल उपाय यह है कि जब भी आप अपने जीवन से निराश-हताश हों, तब उन क्षणों को याद करना चाहिए जब आपने बहुत अच्छा काम किया हो।

## सत्संग

### आत्मसज़्मान

व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब उसे लगता है कि सभी चीजें उसके विरोध में हैं और वह कितना ही अच्छा क्यों न कर ले, लेकिन उसके हाथ असफलता ही लगेगी। ऐसे समय में व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचारों का मेला उमड़ पड़ता है। ऐसी मनोदशा में व्यक्ति आत्महत्या करने तक की सोचने लगता है। आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि ऐसे समय में व्यक्ति को कहीं से छोटी-सी प्रेरणा मिल जाए, तो यह संभव है कि वही व्यक्ति भविष्य में ऐसा इतिहास रच दे कि लोग दांतों तले उंगुली दबाने लगे। जब हम किसी को प्रेरित करते हैं, तो उसका आत्मसम्मान बढ़ जाता है, जिसकी वजह से व्यक्ति असंभव लगने वाले कार्य को भी संभव कर देता है। असल में हर व्यक्ति की अपनी सीमाएं और क्षमताएं होती हैं, लेकिन कई बार जीवन में विपरीत स्थिति आने पर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर ही शंका होने लगता है। ऐसी स्थिति में उसे यह प्रेरणा मिले कि वह संबंधित कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है, तो यकीन मानिए कि कार्य की पूर्ण सिद्धि के लिए वह अपनी पूरी ताकत लगा देगा। रामायण में हनुमान जी को उनका बल याद दिलाने पर वे पूरा पहाड़ उठा ले आए थे। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि अगर तुम ठान लो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। तुम महात्मा बुद्ध बनना चाहोगे तो वही बन जाओगे। कुछ लोग प्रेरणा को डर से जोड़ देते हैं, लेकिन दोनों में काफी असमानता है। किसी के डांटने या डर से किया गया कार्य पूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन उसे सफल नहीं माना जा सकता। जबकि किसी से प्रेरणा स्वरूप मिले दो शब्द ही मनुष्य का जीवन बदल सकते हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को डर की नहीं, बल्कि प्रेरणा की जरूरत पड़ती है। बाहर से ली गई प्रेरणा कुछ समय के लिए ही होती है, लेकिन जब व्यक्ति अपने अंतर्मन से प्रेरित होकर कार्य करता है तो वह न केवल लंबे समय तक टिकाऊ होती है, बल्कि उसके परिणाम हमेशा अच्छे होते हैं। आंतरिक प्रेरणा प्राप्त करने का सबसे सरल उपाय यह है कि जब भी आप अपने जीवन से निराश-हताश हों, तब उन क्षणों को याद करना चाहिए जब आपने बहुत अच्छा काम किया हो।

## फोटोग्राफी...

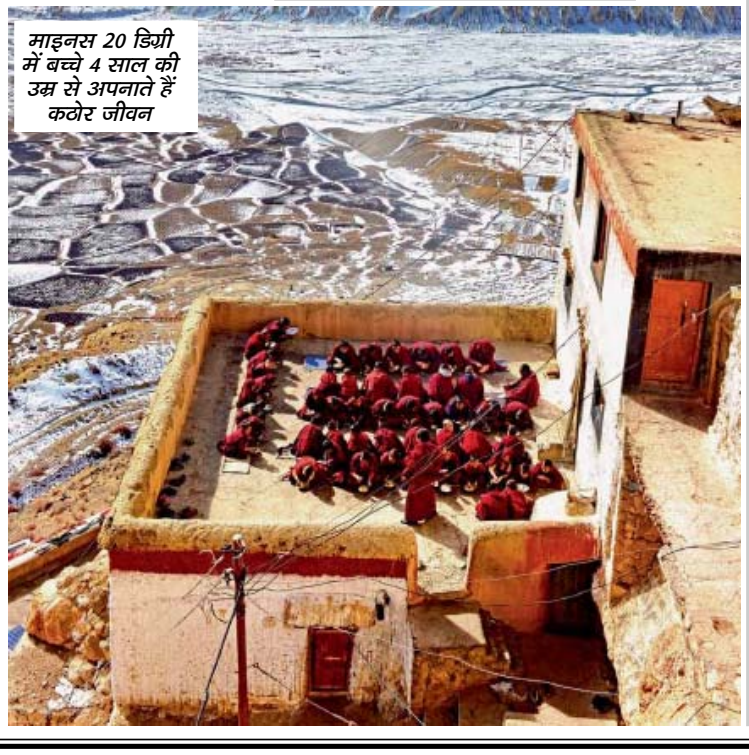

***माइनस 20 डिग्री में बच्चे 4 साल की उम्र से अपनाते हैं कठोर जीवन***

यह फोटो हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के काजा शहर की 1000 साल पुरानी की- मॉनेस्ट्री (बौद्ध मठ) का है। सर्दियों में यहां तापमान माइनस 20 डिग्री तक पहुंच जाता है। आस-पास के गांवों के ज्याद ातर परिवार अपने पहले बच्चे को लामा बनाते हैं। यानी वह कभी गृहस्थ जीवन में नहीं जाएगा। पूरा जीवन बुद्ध आराधना में लगा देगा। बड़े होकर ये बच्चे देश-दुनिया के बौद्ध मठों में जाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे और वहां का प्रबंधन देखेंगे। इन बच्चों की पूरी जिम्मेदारी मठ की होती है। 10वीं पास करने तक ये यहीं रहते हैं। ठंड चाहे जितनी हो, बच्चे स्कूल जाते ही हैं। रोज शाम बच्चों को अच्छा सोचो, अच्छा करो, अच्छा बनो की शिक्षा दी जाती है। 6 से 7 बजे तक होमवर्क करते हैं। खास बात यह भी है कि रात का खाना बच्चे खुद बनाते हैं।

## स्मार्ट शहरों की योजना

दुनिया में आज हर देश अपने शहरों को शोकेस करता है। इससे उस देश में हो रहे विकास की एक झलक मिलती है। हमारे देश में वर्ष 2015 में शुरू की गई स्मार्ट शहरों की महत्त्वाकांक्षी योजना का भी यही मकसद है कि दुनिया इन चमकते-दमकते शहरों की बदौलत भारत के बारे में अच्छी राय बनाए। पर तब क्या हो, जब पता चले कि जिन शहरों ने खुद को स्मार्ट शहरों की लिस्ट में शामिल कराने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाकर सरकार से अच्छा-खासा फंड हासिल किया था, उन शहरों के लुंज-पुंज प्रशासन ने आवंटित पैसे को खर्च कर बीते दो वर्षों में विकास कार्य में कोई दिलचस्पी ही नहीं दिखाई। लगता है कि उनका सारा जोर खुद की ब्रांडिंग को लेकर था, शहर हर पैमाने पर स्मार्ट हो जाए-ऐसी कोई नीयत थी ही नहीं। सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने जिन महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा की थी, उनमें से एक स्मार्ट सिटी परियोजना थी। इस योजना के तहत चुने गए 90 शहरों को 2022 तक स्मार्ट बनाने के लक्ष्य के पीछे यह धारणा काम कर रही है कि 2050 तक हमारे देश की 70 फीसद आबादी शहरों में रह रही होगी। ऐसे में देश के करीब 100 शहर तो ऐसे होंगे, जो नागरिकों की हर जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ हर आय वर्ग की पनाहगाह बन सकें और रोजगार से लेकर पर्यावरण तक के अनिगनत पैमानों पर आदर्श व आधुनिक कसौटियों पर खरे उतर सकें। हालांकि इसमें यह एक विरोधाभास उसी समय छोड़ दिया गया था कि स्मार्ट सिटी परियोजना की सफलता का दारोमदार स्थानीय प्रशासन और नगर निकायों पर डाला गया, जिनकी लापरवाह कार्यशैली के उदाहरण देश की राजधानी दिल्ली, वाणिज्यिक राजधानी मुंबई और आईटी सिटी बेंगलुरु तक में पसरे हुए हैं। हाल में, शहरी विकास मंत्रालय के जुटाए आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि स्मार्ट सिटी परियोजना में जारी किए गए फंड का अब तक महज सात फीसद इस्तेमाल हो पाया है। मिशन की शुरु आत में जिन 60 शहरों के लिए 9,860 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, उनमें से केवल 675 करोड़ रु पये अब तक खर्च हो पाए हैं। इनमें से 40 शहरों के लिए 196 करोड़ प्रत्येक के हिसाब से धनराशि आवंटित की गई थी। सबसे ज्यादा 80.15 करोड़ रुपये अहमदाबाद ने खर्च किए हैं। फंड का इस्तेमाल करने के मामले में 70.69 करोड़ रु पये के साथ इंदौर दूसरे नंबर पर है। 43.41 करोड़ रु पये के खर्च के साथ सूरत तीसरे और 42.86 करोड़ रु पये के इस्तेमाल के साथ भोपाल चौथे नंबर पर है। कुछ शहर तो अपने फंड से 1 करोड़ रुपये तक इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। जैसे झारखंड की राजधानी रांची ने अब तक केवल 35 लाख, अंडमान निकोबार ने 54 लाख और औरंगाबाद ने 85 लाख रुपये खर्च किए हैं।

देश में स्मार्ट सिटी परियोजना के भीतर-बाहर सैकड़ों ऐसे छोटे-बड़े शहर हैं, जहां खुले मैनहोल, बजबजाती गंदगी और टूटी पाइप लाइनों से फिजूल बहता पानी हर वक्त हमारे आधे-अधूरे विकास की कलई खोल रहा है। इन शहरों में जहां-तहां पसरी अराजकता बता रही है कि वहां का सिस्टम किस कदर बेफिक्र और नागरिकों की जान-माल के प्रति किस स्तर तक लापरवाह बना हुआ है। यही नहीं, वहां पीने का साफपानी, शोधित सीवरेज, कचरे का निदान, बिजली आपूत्तर सुचारू यातायात और बेहतर चिकित्सा हासिल करना आज भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में शहरी प्रशासन द्वारा फंड के इस्तेमाल में हीलाहवाली पर यही कह सकते हैं कि जब नीयत ही साफ नहीं होगी, तो शहर भला कैसे साफ-सुथरे हो सकेंगे?

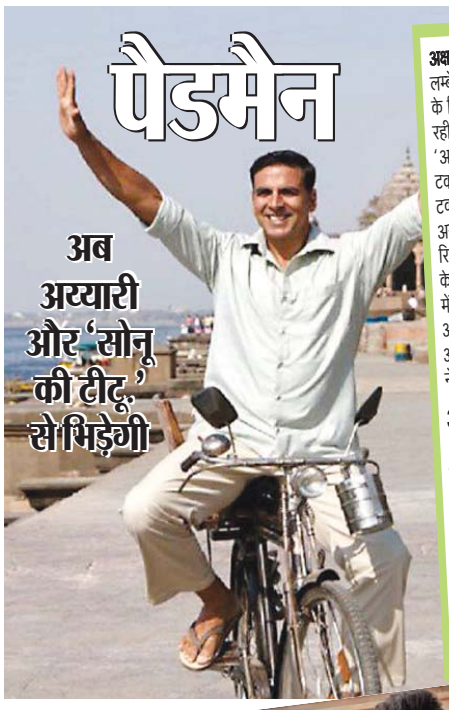


**अक्षय** कुमार की फिल्म 'पैडमैन' 9 फरवरी को 'अय्यारी' और 'सोनू की टीटू की स्वीटी' से भिड़ेगी। लम्बे संघर्ष के बाद 25 जनवरी को रिलीज हो रही 'पद्मावत' फिल्म को किसी टकराव से दूर रखने के लिए फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के आग्रह पर अक्षय कुमार ने इसी दिन रिलीज होने जा रही अपनी फिल्म 'पैडमैन' को 9 फरवरी को रिलीज करने का फैसला किया है। नीरज पांडे निर्देशित 'अय्यारी' पहले 25 जनवरी को ही रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म की टीम ने 'पैडमैन' से टकराव से बचने के लिए 'अय्यारी' की रिलीज डेट आगे बढ़ाकर 9 फरवरी कर दी। ऐसे में जिस टकराव से बचने की कोशिश की जा रही थी वह होकर रहेगी। फिल्म विश्लेषक अतुल मोहन के अनुसार, इससे फिल्म से जुड़े लोगों को परेशानी होती है। फिल्म बनने के बाद सभी योजनाएं उसकी रिलीज डेट को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेलर के रिलीज होने के एक महीने के अंदर फिल्म रिलीज कर देनी चाहिए। इसके पीछे के कारण को समझाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे में लोगों की रुचि फिल्म से कम होने लगती है और फिल्म से ताजापन गायब हो जाता है। उन्होंने अपवाद के रूप में 'खान' फिल्म का जिक्र किया। वहीं, दूसरी तरफ अपनी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने के अक्षय कुमार के निर्णय की प्रशंसा हो रही है। प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक कोमल नाहटा ने कहा कि उनके इस निर्णय से दोनों फिल्मों को व्यापारिक फायदा होगा।

### अक्षय के साथ फिर फिल्म बनाएंगे भंसाली

**बॉलीवुड** फिल्मकार संजय लीला भंसाली खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार के साथ फिर फिल्म बनाना चाहते हैं। संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पद्मावत के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 25 जनवरी को प्रदर्शित होने वाली है। चर्चा है कि भंसाली एक बार फिर से अक्षय कुमार के साथ फिल्म बनाना चाहते हैं। भंसाली ने अक्षय के साथ 'राउडी राठौर' और 'गब्बर इज बैक' जैसी फिल्में बनायी है। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है। बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार के साथ भंसाली जल्द ही फिल्म शुरू करने का इरादा रखते हैं। जैसे ही 'पद्मावत' रिलीज होती है और भंसाली फ्री होते हैं वे अक्षय को लेकर फिल्म बनाने की योजना बनाएंगे। राउडी राठौर और गब्बर इज बैक की तरह भंसाली दक्षिण भारतीय फिल्म का हिंदी रिमेक अक्षय कुमार के साथ बनाएंगे। इस बारे में अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नही हुई है।

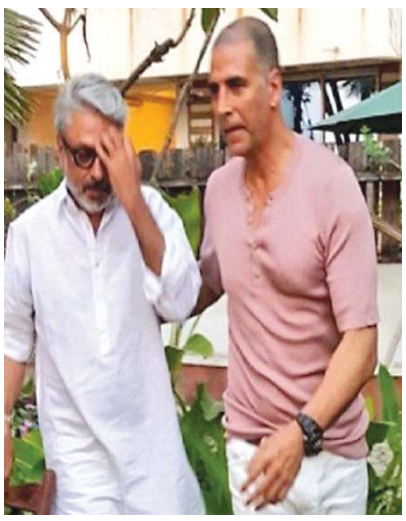

## शाहिद के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रहीं मीशा

**अभिनेता** शाहिद कपूर का मानना है कि उनकी बेटी मीशा उन्हीं के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं। शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर अपनी 1 साल की बेटी की तस्वीर साझा की, जिसमें वह शाहिद के जूते पहने खड़ी हैं। तस्वीर में संतरी रंग की फ्रॉक पहने आत्मविश्वास से भरी मीशा कैमरे की ओर देख रही हैं। शाहिद ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, लगता है कि मीशा ने भार ग्रहण करने का फैसला कर लिया है।

## हमेशा दिल के करीब रहेंगे सलमान : जरीन

**बॉलीवुड** अभिनेत्री जरीन खान का कहना है कि सलमान खान उनके दिल के हमेशा करीब रहेंगे। जरीन खान ने फिल्म वीर से सलमान खान के अपोजिट अपने करियर की शुरुआत की थी। जरीन ने बताया, ''सलमान ऐसे शख्स हैं जो हमेशा मेरे प्रिय, मेरे खास, और मेरे दिल के करीब रहेंगे क्योंकि यदि मैंने उनके लिए काम नहीं किया होता, तो मैंने कभी इस उद्योग का हिस्सा बनने के बारे में नहीं सोचा होता क्योंकि यह मेरी योजना नहीं थी। अब मैं फिल्म उद्योग में हूं। मुझे जिस तरह की शुरुआत मिली वह सपनीली शुरुआत थी।''जरीन ने सलमान के साथ फिल्म 'रेड्डी' में भी काम किया है। जरीन ने कहा कि सलमान ऐसे शख्स हैं, जिनका वह हमेशा सम्मान करेंगी। वह उनकी बेहद आभारी हैं। सलमान ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है।

## करियर की सफलता का श्रेय सलीम-सलमान को : परेश रावल

**बॉलीवुड** के जाने माने चरित्र अभिनेता और भाजपा सांसद परेश रावल ने अपनी सफलता का श्रेय सलीम खान और उनके पुत्र सलमान खान को दिया है। परेश रावल ने अपनी पहली व्यावसायिक हिट 'नाम' के लिए लेखक सलीम खान और 'टाइगर जिंदा है' जैसी बड़ी हिट फिल्म के लिए उनके बेटे सुपरस्टार सलमान खान को श्रेय दिया है। परेश रावल, अली अब्बास जफर निर्देशित 'टाइगरस जिंदा है' में अहम भूमिका में नजर आए थे। उन्होंने फिल्म में फिरदौज नाम के अंडरवर्ल्ड एजेंट की भूमिका निभाई थी। परेश रावल ने ट्वीट कर कहा, 'पिता सलीम खान साहब ने मुझे मेरे करियर की पहली व्यवसायिक हिट ('नाम') दी और बेटे सलमान खान ने मुझे अब तक की सबसे बड़ी हिट ('टाइगर जिंदा है') दी।

## 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी ' को खास फिल्म मानते हैं शाहरूख

**बॉलीवुड** के किंग खान शाहरुख खान अपनी फिल्म फिर भी दिल है हिंदुस्तानी को खास फिल्म मानते हैं। शाहरूख खान की वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उनके बैनर ड्रीम्ज अनलिमिटेड के तले बनी थी, जो उन्होंने जूही चावला और निर्देशक अजीज मिर्जा के साथ मिलकर बनायी थी। फिल्म टिकट खिड़की पर असफल रही थी। शाहरूख ने कहा कि इस असफलता ने उन्हें मजबूत बनाया था। शाहरुख ने ट्वीट किया''यह बहुत खास थी। वह बुरी तरह असफल रही थी, लेकिन हमारी असफलता ने अजीज मिर्जा, जूही चावला और मुझे मजबूत बनाया।'' उल्लेखनीय है कि फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' में शाहरुख ने अजय बक्शी और जूही ने रिया बनर्जी का किरदार निभाया था।

## लॉन्ग ड्राइव पर जाना पसंद नहीं : अर्जुन कपूर

**बॉलीवुड** अभिनेता अर्जुन कपूर का कहना है कि उन्हें लॉन्ग ड्राइव पर जाना पसंद नहीं है। '2 स्टेट्स', 'हाफ गर्लफ्रेंड', 'तेवर' और 'की एंड का' जैसी फिल्मों में लवरबॉय का किरदार निभा चुके अर्जुन कपूर कहना है कि उन्हें कार चलाना पसंद है, लेकिन रोमांस के लिए लॉन्ग ड्राइव पर जाना उनको भाता नहीं। अर्जुन से जब पूछा गया कि क्या रोमांस के लिए लॉन्ग ड्राइव पर जाना उनके विचार में रहा है, तो उन्होंने बताया कि' नहीं, क्योंकि मैं बहुत ज्यादा सोचता हूं और यदि वह कार चला रही होगी, तो फिर मैं उसके साथ रोमांस कैसे करूंगा, तो यह एक तरह से इनकार किए जाने लायक है। वह भी खासकर मुंबई की ट्रैफिक में तो बिल्कुल नहीं।

## छोटा पर्दा

### ऑन-स्क्रीन शादी के लिए उत्साहित हैं कविता वैद

**अभिनेत्री** कविता वैद ने बताया कि वह टेलीविजन धारावाहिक 'इक्यावन' के शादी वाले सीक्वेंस में अपनी साड़ी पहने दिखाई देंगी। धारावाहिक के मुख्य पात्र सुशील (प्राची तेहलान) और सत्या (नमिश तनेजा) शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। वहीं सत्या की दादी लीला की भूमिका निभा रहीं कविता ऑन-स्क्रीन शादी के लिए बहुत उत्साहित हैं। कविता ने कहा, ''मुझे प्राची और नमिश की ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री बहुत पसंद आई और मैं आगामी शादी सीक्वेंस के लिए उत्साहित हूं। मेरा लीला का किरदार दोनों की शादी नहीं चाहता, लेकिन मैं सभी कार्यक्रमों के लिए तैयार हूं। यहां तक कि मैं शादी सीक्वेंस के लिए अपनी साड़ी पहनूंगी।'

### 'ये रिश्ता..' के हॉट कपल का सिजलिंग फोटोशूट

**टीवी** सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नायरा और कार्तिक का किरदार निभाने वाले मोहसीन खान और शिवांगी जोशी की जोड़ी को लोग काफी पसंद करते हैं। टीवी की चहेती जोड़ियों में से एक नायरा और कार्तिक का रोल निभाने वाले मोहसीन खान और शिवांगी जोशी की फैन फालोइंग कमाल की है। हाल ही में दोनों ने सिजलिंग फोटोशूट करवाया है। फोटोशूट में शिवांगी शॉर्ट्स और व्हाइट कलर के टॉप में नजर आ रही हैं। वहीं, एक फोटो में वे मैरुन कलर के ऑफ शोल्डर टॉप में दिख रही हैं। वहीं, मोहसीन भी शिवांगी की ड्रैस से मैच करते हुए आउटफिट में नजर आ रहे हैं।

### 'सिया के राम' दानिश अख्तर करेंगे अरैंज्ड मैरिज

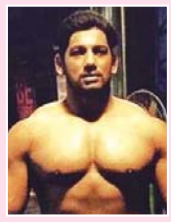

**टेलीविजन** धारावाहिक 'सिया के राम' में भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आए अभिनेता दानिश अख्तर अरैंज्ड मैरिज करने जा रहे हैं। उनका मानना है कि उनके परिवार ने उनके लिए एक अच्छी जीवन साथी चुनी है। दानिश 26 जनवरी को मुंबई की नादिया शेख के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दानिश ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मेरे परिवार ने मेरे लिए एक बेहद अच्छी जीवनसाथी चुनी है। मैं उसके साथ अपना विवाहित जीवन शुरू करने के लिए उत्साहित हूं।''

## चुटकुले

### साल

एक आदमी ने भगवान से पूछा - कि आपके लिए करोड़ों साल कितने होते हैं ?

**भगवान** - एक सेकंड के बराबर

**आदमी** - और करोड़ों रूपये ?

**भगवान** - एक फूटी कौड़ी के बराबर

**आदमी**- तो क्या,आप मुझे एक फूटी कौड़ी दे सकते हैं ?

**भगवान** - क्यों नहीं , रुक एक सेकंड

### बुलाया

**मम्मी** - बेटा जरा पापा को बुलाना

**बेटा पापा से** -चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है

**पापा** - जय माता दी!

### रेलवे स्टेशन पर...

**बेगम**- प्यास लगीं है पानी तो ला दो

**शेख** -क्यो ना चिकन बिरयानी खिलाऊ?

**बेगम** - वाह मुँह मैं पानी आ गया

**शेख** - बस इसी पानी से काम चला लो!!

### हुक्का

**चौधराइन ने चौधरी से कहा**-

अब तू हुक्का मत पिया कर

**चौधरी बोला**-

'रै बावली' तन्नै के पता'

इसमें तीन देवता निवास करैं सैं

नीचे जल देवता,

बीच में पवन देव,

और ऊपर अग्नि देवता,!!

अब चौधरी हुक्का पीता है, और

चौधराइन हाथ जोड़ के बैठी रहती है।

## हॉलीवुड

### वूडी एलन संग काम करना नहीं चाहतीं क्लोए सेविग्नी

**अभिनेत्री** क्लोए सेविग्नी ने कहा है कि वह ऑस्कर विजेता निर्देशक वूडी एलन के साथ दोबारा काम नहीं करना चाहेंगी। 'बॉयज डोन्ट क्राई' से लेकर 'अमेरिकन साइको' तक सेविग्नी स्वतंत्र फिल्मों में उभरती हुई भूमिकाओं में नजर आईं। वर्ष 2014 में वह एलन की कॉमेडी फिल्म 'मेलिंडा एंड मेलिंडा' में दिखाई दी थीं। सुत्रों के मुताबिक, अब सेविग्नी ने निर्देशक के साथ काम करने को लेकर इंकार कर दिया है। सेविग्नी ने कहा, मैं खुद परेशान हूं कि मैं इस निर्णय से जूझ रही हूं कि क्या मैं उनके साथ दोबारा काम करूंगी? शायद नहीं।

### रिहाना ग्रैमी 2018 में प्रस्तुति देंगी

**गायिका** रिहाना ग्रैमी अवॉर्डस 2018 में डीजे खालिद और ब्रायसन टिलर के साथ प्रस्तुति देंगी। सुत्रों के मुताबिक, यह तिगड़ी 'वाइल्ड थॉट्स' पर प्रस्तुति देगी। खालिद ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। खालिद ने पोस्ट किया, प्रशंसकों को प्यार। मैं रिहाना और ब्रायसन के साथ ग्रैमी में 'वाइल्ड थॉट्स' पर प्रस्तुति देने जा रहा हूं। मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन 28 जनवरी को न्यूयॉर्क में होगा।

### रूबी रोज ने छोड़ा धूम्रपान

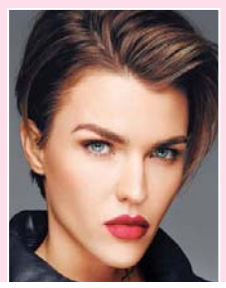

**आस्ट्रेलियाई** अभिनेत्री रूबी रोज का कहना है कि उन्होंने धूम्रपान छोड़ दिया है। सुत्रों के मुताबिक, फिल्म 'पिच परफेक्ट-3' की अभिनेत्री ने ट्विटर यह जानकारी दी। रोज ने ट्वीट किया, अंदाजा लगाएं कि किसने धूम्रपान छोड़ दिया। हां, आखिरकार मैंने धूम्रपान छोड़ दिया है। बदबूदार, गंदी चीज धीरे-धीरे आपको मार देती है। आप इस पर पैसे खर्च करते हैं, जो आपका दम घोटती है। आखिरकार मैंने इसे अपनी जिंदगी से बाहर निकाल दिया है। मैंने कल इसे छोड़ दिया और अपनी मां की खातिर मैं अब धूम्रपान दोबारा शुरू

## Readers Choice

### आ गई गैस से चलने वाली पहली साइकल

**फ्रेंच** की एक स्टार्ट-अप कंपनी हाइड्रोजन पावर्ड इलेक्ट्रिक साइकल्स बनाने की शुरुआत करने वाली पहली कंपनी बन गई है। इन साइकल्स को कॉर्पोरेट या म्युनिसिपल फ्लीट्स में इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया है। फ्रेंच कंपनी प्राम्मा इंडस्ट्रीज ने इन्हें बनाया है। आइए, जानते हैं कि क्या हैं खासियतें...यह कंपनी मिलिटरी यूज के लिए फ्यूल सेल्स बनाती है। इसने फ्रेंच की नगरपालिकाओं को 60 हाइड्रोजन पावर्ड बाइक्स बेची हैं। कंपनी ने इस इलेक्ट्रिक साइकल का नाम अल्फा बाइक रखा है। कंज्यूमर मार्केट के लिहाज से तो ये साइकल्स काफी महंगी है। दरअसल, एक हाइड्रोजन साइकल की कीमत 7,500 यूरो यानी तकरीबन 6 लाख रुपए है। हालांकि, कंपनी इनकी कीमत पांच हजार यूरो तक घटाने की कोशिश कर रही है। अगर ऐसा हो जाता है तो ये साइकल्स प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक्स की लाइन में शामिल हो सकेंगी। कंपनी के फाउंडर और चीफ एग्जिक्यूटिव पाएरे फोर्टे के मुताबिक, कई अन्य कंपनियों के पास हाइड्रोजन बाइक का प्रोटोटाइप तो है लेकिन हमारी कंपनी पहली है जिसने ऐसी बाइक्स को बनाकर दिखाया है। अल्फा बाइक 2 लीटर हाइड्रोजन में 62 मील यानी तकरीबन 100 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। यह रेंज किसी इलेक्ट्रिक बाइक जैसी ही है। हालांकि, इसकी अच्छी बात यह है कि किसी ई—बाइक की तुलना में यह बहुत जल्दी चार्ज हो जाती है। इतना ही नहीं, एक किलो हाइड्रोजन में एक किलो की लिथियम आयन बैटरी के मुकाबले लगभग 600 गुणा अधिक एनर्जी

# मां हरि सिद्ध फिल्म्स के नए एलबम ने मचाई धूम...

**बाबा** महाकाल कि नगरी उज्जैन में एक नये एलबम का उद्घाटन 17 जनवरी को एक भव्य समारोह में हुआ... आठ गानों और एक मंत्र के साथ इस एल्बम कि शुरुआत हिमालय कि हसीन वादियों से हुई जिसमें मुंबई के नवीन त्यागी और इंदौर की इशिका लंबाते नें मुख्य कलाकार के रुप में अभिनय कर समां बांधा है।

लगभग सात महीनों में तैयार इस एल्बम में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, हिमालय कि हसीन वादियों से लेकर महाकाल कि नगरी उज्जैन के कई स्थानों को पूरे एल्बम में बखूबी फिल्माया गया है। गौरतलब है कि इस एल्बम के निर्माता निर्देशक चन्दू यादव है जो कि फिल्म इंडस्ट्री के जानें पहचाने नामों में से एक है वहीं इस एल्बम में कृष्णा यादव नें भी सह निर्माता और गायक के रुप में काम कर नई शुरुआत की है । एल्बम के मुख्य कलाकर नवीन त्यागी नें बताया कि वह मूल रुप से दिल्ली के रहनें वाले है और बिल्डर हैं पर लंबे समय से बाबा महाकाल के भक्त है बताया कि बाबा महाकाल का आशिर्वाद रहा तो आगे भी वह इस दिशा में काम करते रहेंगे वहीं एल्बम में पार्वती कि भूमिका अदा करनें वाली मिशिका नें कहा कि वह बचपन से ही अभिनय में रुचि रखती हैं इसके पहले भी फ्रेंड फॉरेवर नाम कि फिल्म में वह सह कलाकार के रुप में अपनें अभिनय का जौहर दिखा कत्थक और भरतनाट्यम का दिल्ली और मुंबई से कोर्स भी किया है अगर मौका मिला तो वह इस दिशा में अभिनय करना चाहेंगी। वहीं इस एल्बम के लांचिग पर बाबा महाकाल परिसर में भव्य आयोजन किया गया था जिसमें एल्बम के कलाकारों के साथ ही स्थानीय विधायक मोहन यादव व गणमान्य नागरिक

# शासक थी राजभर जाति, इसका गौरवशाली इतिहास रहा : रामसिंह राजभर

## भारद्वाज नगर सोसायटी में मनाई गई महाराजा सुहेलदेव राजभर की 1009वीं जयंती

**संवाददाता, सूरत।** देश में आक्रमणकारी आर्यों व मुसलमानों को अपनी बहादुरी का लोहा मनवाने वाले श्रावस्ती महाराजा सुहेलदेव राजभर की 1009वीं जयंती को अखिल भारतीय राजभर संगठन दक्षिण गुजरात की ओर से सोमवार को गोडादरा के भारद्वाज नगर सोसायटी सत्यम सिनेमा हॉल में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान बहुजन समाज पार्टी गुजरात प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी व अखिल भारतीय राजभर संगठन के दक्षिण गुजरात महामंत्री रामसिंह राजभर ने कहा कि राजभर जाति शासक जाति थी। इस जाति का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसी जाति के श्रावस्ती नरेश सुहेलदेव राजभर ने आक्रमणकारी आर्य व मुसलमानों से संघर्ष करते रहे। उन्होंने महमूद गजनी के भांजे सैय्यद सलार मसूद को नेपाल के बार्डर पर दौड़ा कर सन् 1034 में मार गिराया। अखिल भारतीय राजभर संगठन दक्षिण गुजरात प्रमुख शोभनाथ राजभर ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव के पद चिन्हों पर महाराणा प्रताप ने जंगल में पूरे परिवार के साथ घास की रोटी खाकर भी अपनी पगड़ी को गिरने नहीं दिया और छत्रपति शिवाजी ने मुगलों से लोहा लिया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि विश्वहिंदू परिषद सह संगठन मंत्री दक्षिण गुजरात विक्रम सिंह भाटी ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर ने राष्ट्र रक्षा का पहला पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विश्व हिंदू परिषद सूरत शहर उपाध्यक्ष जोगिंदर साहनी, डॉ. प्रफुल शिरोया, ए आजाद चेरीटेबल ट्रस्ट प्रमुख हितेष गिरी गोस्वामी, देवेन्द्र पी. कदम, लिंबायत प्रमुख दीनानाथ राजभर, भीमभाई राजभर, पांडेसरा प्रमुख अनिल राजभर, रविन्द्र राजभर, राकेश राजभर, चंद्रिका राजभर, संजय राजभर, श्यामलाल राजभर सहित काफी तादाद में राजभर समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोकगीतों की स्वर लहरियों पर जमकर श्रोता झूमे।

**संवाददाता, सूरत।** शहर के एक सिनेमा थियेटर के बाहर पद्मावत फिल्म की रिलिज से पहले ही किसी पुलिस बल की तैनाती कर दि गई है, ताकी किसी अप्रिय घटना के होने से बचा जा सकते।

## न्यू बालाजी सोयायटी में संतोषी माता मंदिर का वार्षिक भंडारा सम्पन्न

### सैकड़ों भक्तों ने पाई महाप्रसादी

**संवाददाता, सूरत।** डिंडोली इलाके के सीआर पाटिल रोड न्यू बालाजी सोसायटी में स्थित संतोषी माता मंदिर का वार्षिक भंडारा सोमवार को सम्पन्न हुआ। भंडारे में इलाके के हजारों भक्तों ने महाप्रसादी पाई। वार्षिक भंडारे के आयोजक दयाल नारायण सिंह उर्फ पप्पू सिंह, सभाजीत पटेल, गोलही पटेल, डब्बू पटेल, रवि पटेल, धर्मा देवी पटेल, किशन पटेल, कलावती पटेल, सुभाषिनी, अवधेश पासवान, मिठाईलाल सहित काफी तादाद में सोसायटी के लोग शामिल थे।

# शहर में विविध स्थलों पर पूजी गई ज्ञान की देवी वीणावादिनि

## मूर्ति विसर्जन आज सुबह 10 बजे

**संवाददाता, सूरत।** शहर के पांडेसरा, बडोदगांव, भेस्तान, न्यू सिटी लाइट, पिपलोद, अडाजण, अमरोली, कतारगांव, डिंडोली, गोडादरा, वेड रोड सहित अन्य इलाकों के सोसायटियों व शैक्षणिक संस्थाओं में सोमवार को वसंत पंचमी पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती का विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। भक्तों की ओर से पूजा पंडाल के हवन कुण्ड में समाज की बुद्धि शुद्धि के लिए हवन की आहूतियां दी गई।

देर शाम प्रसाद वितरण के बाद जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ख्यातिलब्ध कलाकारों की ओर से भजनों की श्रृंखलाओं को पेश कर श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया। वाग्य देवी की प्रतिमा का मंगलवार सुबह गाजे-बाजे के साथ तापी के विभिन्न ओवारों पर विसर्जन किया जाएगा।

**संवाददाता, सूरत।** राणा समाज द्वारा समूह लगन का आयोजन किया गया जिसका वरघोड़ा अठवालाइंस से गुजरते हुए।

राजकोट के गोंडल स्थित स्वामीनारायण मंदिर में अक्षरदेरी सार्ध शताब्दी महोत्सव के दौरान राष्ट्रपति को कलश भेंट करते स्वामीनारायण संप्रदाय के महंत।

## महिला होमगार्ड्स की मानसिक-शारीरिक शोषण की शिकायत

**देवभूमी द्वारका।** देवभूमी द्वारका स्थित जगत मंदिर की सुरक्षा में तैनात महिला होमगार्ड्स के मानसिक और शारीरिक शोषण की शिकायत से सनसनी फैल गई इन महिला होमगार्ड्स में त्यक्ता, विधवा, आंगनवाडी वर्कर और कुछ पढ़ाई कर रही हैं, जो परिवार में माता-पिता, संतान और कुछ बेरोजगार पति इत्यादि के भरणपोषण की जिम्मेदारी निभा रही हैं ऐसी कमजोरियों का फायदा उठाकर इन्चार्ज कमान्डिंग बीएस कारडिया इन युवा महिला होमगार्ड्स के लिए अपमानित शब्दों का उपयोग करते हैं जिसमें 'तुम्हारा मुंह देख कोई सफाई का काम नहीं देगा, ऑफीस में आ जाना, भत्ता नहीं मिलेगा, छुट्टी नहीं मिलेगी, छोड़ दे नौकरी, ड्यूटी करते नहीं आती, ऐसी जाति के लोग ऐसे ही होते हैं।

# आप के 20 विधायकों को अयोग्य ठहराना लोकतंत्र विरोधी कदम : हार्दिक पटेल

**अहमदाबाद।** पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) संयोजक हार्दिक पटेल दिल्ली की अरविंद केजरीवाल के बचाव में उतरे हैं उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के 20 विधायकों को अयोग्य ठहराने के कदम को लोकतंत्र विरोधी करार दिया है हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि कूटनीति कर आप के 20 विधायकों को अयोग्य ठहराकर सत्तारूढ़ दल ने अपने लोकतंत्र विरोधी इरादों का जाहिर कर दिया है ऐसे में हर मुश्किल समय में अरविंद केजरीवाल को बचाने वाले शब्दों का महारथी कुमार विश्वास का होना क्या महत्व है, यह स्पष्ट दिख रहा है बड़े नेताओं की असुरक्षा कहीं आंदोलन न दबा दे हार्दिक पटेल ने सोशल मीडिया पर मैसेज कर यह भी कहा कि 'मुझे हारने का कोई भी दु:ख नहीं, तुम मगर जीतकर भी हारोगे, एक मुझे मारने की कोशिश में, कितनी आंखों के ख्वाब मारोगे' गौरतलब है केन्द्रीय चुनाव आयोग ने ऑफीस ऑफ प्रोफिट के मामले में दिल्ली सरकार के 20 विधायकों की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की राष्ट्रपति से सिफारिश की थी चुनाव आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने आप के 20 विधायकों की सदस्यता खारिज कर दी है जिसके बाद राजनीति गरमा गई है और सत्तारूढ़ भाजपा, आम आदमी पार्टी पर राजनीतिक दबाव बनाने के लिए चुनाव आयोग का उपयोग करती होने का आरोप लगाए जा रहे हैं।

# सड़क दुर्घटना में सास-ससुर और दामाद की मौत

**आणंद।** खंभात-बामणवा रोड पर सड़क दुर्घटना में सास-ससुर और दामाद की मौत हो गई जबकि महिलाएं घायल हो गईं सड़क अचानक नील गाय के आने से यह हादसा हुआ जानकारी के मुताबिक आणंद जिले की खंभात तहसील के जलुंध गांव में गोरधनभाई काशीभाई वाणंद पत्नी मंजूला और पुत्री अस्मिता के साथ रहते थे जबकि उनकी दूसरी पुत्री नैना अहमदाबाद अपनी ससुराल में रहती है गोरधनभाई किसी रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने के लिए दामाद पिंकेश विनुभाई पारेख और पुत्री नैना को लेकर अहमदाबाद से कार में जलुंध आए थे जलुंध से पिंकेश, नैना, गोरधनभाई, मंजूलाबेन और अस्मिता समेत पांच लोग कार में कार में रूदेल में आयोजित शादी समारोह में गए थे शादी समारोह से कार में पांचों लोग कार में रूदेल से जलुंध लौट रहे थे रास्ते में खंभात-बामणवा रोड पर किशनपुरा पाटिया के निकट अचानक सड़क नील गायों का झुंड आ गया अचानक नील गायों का झुंड देख कार चला रहे पिंकेश ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार रोंग साइड पलटी खा गई इस हादसे में कार में सवार गोरधनभाई, मंजूलाबेन और पिंकेश पारेख की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि नैना और अस्मिता गंभीर रूप से घायल हो गई।

# राष्ट्र-राज्य और धर्म सत्ता का यह त्रिवेणी संगम चिरस्मरणीय रहेगा: मुख्यमंत्री

**राजकोट।** मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अक्षर देरी महोत्सव में दिखाई पड़ रही साधुता की महक का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां बना राष्ट्र, राज्य और धर्म सत्ता का त्रिवेणी संगम समग्र राज्य के लिए चिरस्मरणीय रहेगा। रूपाणी ने आशा व्यक्त की कि इस महोत्सव से गुजरात की आध्यात्मिक क्षमता बुलंद होगी। उन्होंने स्वामीनारायण संस्था की सेवा प्रवृत्तियों की सराहना की और अक्षर देरी के इतिहास का जिक्र कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अक्षर देरी के निर्माण के १५०वें वर्ष पर संस्था ने धर्म के क्षेत्र में मिसाल कायम की है, जिससे गुजरात धन्य हुआ है। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति के लिए मुख्यमंत्री ने उनका आभार जताया।

महंत स्वामी ने आशीर्वचन में सभी महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए रामनाथ कोविंद के दूसरी बार अक्षर देरी आने पर उनका विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज के आशीर्वाद से गुजरात में सभी लोगों को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिल रही है। महंत स्वामी ने अक्षर देरी का महत्व बताते हुए पू. गुणातीतानंद स्वामी के समाजोन्मुख कार्यों का भी संस्मरण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बैप्स संस्था के प्रमुख पू. महंत स्वामी ने राष्ट्रपति तथा अन्य मेहमानों का पुष्पहार और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। स्वामी ब्रह्मविहारी ने स्वागत भाषण दिया और श्री अक्षर देरी सार्ध शताब्दी महोत्सव के 11 दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वामी श्री आनंद स्वरूपजी ने बैप्स संस्था की विकास प्रवृत्तियों का ब्यौरा देते हुए कहा कि पवित्र और नैतिक जीवन के लिए कटिबद्ध यह संस्था एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक समाज है।

जीवन का सच्चा मर्म समझाने वाली और शाश्वत शांति की ओर ले जाने वाली इस धर्म संस्था का लक्ष्य मानव मात्र का उत्कर्ष है। भगवान स्वामीनारायण प्रबोधित वैदिक आदर्शों को केन्द्र में रखकर ब्रह्मस्वरूप शास्त्री महाराज ने वर्ष 1907 में संस्था की स्थापना की थी। देश-विदेश में करीब 1300 मंदिरों का निर्माण कर संस्था ने संस्कार प्रवृत्ति और मानव सेवा की ज्योत प्रज्वलित की है। प्रकट ब्रह्मस्वरूप महंत स्वामीमहाराज की निश्रा में सनातन संस्कृति को जनमानस में बढ़ावा देने वाली इस संस्था ने विश्वस्तर पर लोकहृदय में अनूठा स्थान बनाया है। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रमुख महंत स्वामी जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा, संतगण श्री विवेकसागर स्वामी, श्री आनंदस्वरूप स्वामी और श्री भक्तिप्रिय स्वामी सहित भक्तगण और बड़ी संख्या में अनुयायी उपस्थित थे।

# सत्ताधारी भाजपा को घेरने कांग्रेस गठित करेगी छद्म मंत्रालय

**अहमदाबाद।** गुजरात की सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस ने जबर्दस्त योजना तैयार की है। राज्य के 182 विधानसभा सदस्यों में से कांग्रेस गठबंधन के पास 80 सदस्य हैं। कांग्रेस मजबूत विपक्ष के तौर पर अपने को पेश करने और सत्तारूढ़ रूपाणी सरकार को घेरने के लिए छद्म मंत्रालय बनाने का फैसला निर्णय लिया है। ब्रिटेन और अमेरिका में सरकार को घेरने के लिए इस तरह छद्म मंत्रालय गठित किए जाने की परंपरा है। कांग्रेस गुजरात में भाजपा को घेरने के लिए छद्म मंत्रालय के माध्यम से राज्य सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है।

इसके तहत सरकार के विभागों और मंत्रालयों की तर्ज पर कांग्रेस अपने विधायकों को जिम्मेदारी सौंपेगी। सत्ताधारी दल के विधायक विकास कार्य में अपने मनचाहे ठेकेदारों को ठेका दिलाते हैं और भ्रष्टाचार करते। इन सब कामों पर विपछी दल के विधायक निगाह रखेंगे। इसके तहत सदन में सरकार को घेरने का काम करेंगे। गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता परेश धानानी के कहा कि इस बार 41 विधायक ऐसे हैं, जो पहली बार विधायक बने हैं। उन्हें विधानसभा कि प्रकिया मालूम नहीं है। ऐसे विधायको के लिए कांग्रेस ने ट्रेनिंग देने का फैसला लिया है। साथ ही किसान के मुद्दे पर कुछ विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, ताकि किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा जा सके।

## सेल्फी के चक्कर में बाइक सवार तीन युवकों ने गंवाई जान

**सूरत।** उभराट-मरोली रोड पर मोटर साइकिल के पेड़ से टकराने से उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई यह दुर्घटना उस समय हुई जब बाइक सवार युवक चलती गाड़ी पर सेल्फी लेने का प्रयास कर रहे थे प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के कतारगाम की जयराम वाडी निवासी महेश, सौर्य और चंदन मोटर साइकिल पर उभराट से लौट रहे थे तेज रफ्तार बाइक पर सेल्फी लेने के चक्कर में मोटर साइकिल बेकाबू हो गई और उभराट-मरोली के बीच एक पेड़ से जा टकराई बाइक के पेड़ से टकराते ही तीनों युवक उछलकर जमीन पर जा गिरे जिसमें एक युवक के पेट में वहां पड़ी लकड़ी घुस गई मरोली से करीब सात किलोमीटर दूर करखद गांव के मोड के निकट हुई इस दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। मोटर साइकिल के पेड़ से टकराने से उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई यह दुर्घटना उस समय हुई जब बाइक सवार युवक चलती गाड़ी पर सेल्फी लेने का प्रयास कर रहे थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com